'इसरो' के साउंडिंग रॉकेट का सफल परीक्षण हुआ

बेंगलूर। भारत ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से नई पीढ़ी के साउंडिंग रॉकेट का सफल परीक्षण किया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बयान में बताया, 'श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इस रॉकेट का सफल परीक्षण किया गया।' जानकारी केमुताबिक, इस अत्याधुनिक रॉकेट का वजन तीन टन है और इसमें स्क्रैमजेट इंजन लगा है। इसरो द्वारा तैयार यह अब तक का सबसे भारी साउंडिंग रॉकेट है। यह रॉकेट एक ऐसा उपकरण ले जाता है जिससे वैज्ञानिक परीक्षणों में मदद मिलती है।

चिकपेट मंदिर की प्राचीन बेश कीमती चीजों की नीलामी होगी?

श्रद्धालुओं से व्यापक विचार विमर्श हो और राय जानी जाए तो बेहतर

बेंगलूर। चिकपेट मैन रोड पर एक छोटी सी लेन में लगभग शताब्दी पूर्व बना श्री आदिनाथ जैन मंदिर ''चिकपेट जैन मंदिर'' के नाम से जाना जाता है और जैन समाज के लोगों, खासकर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के अनुयायियों के लिए यह गहरी श्रद्धा का केन्द्र है। यों तो जैसे-जैसे बेंगलूर में जैन धर्मानुयायियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है वैसे वैसे शहर के विभिन्न भागों में जैन मंदिरों की स्थापना हो रही है परन्तु इस मंदिर की बात ही कुछ और है। मूर्तिपूजक जैन समुदाय के लोगों की खास बात है कि वे या तो जहां जैन मंदिर हो उसके आसपास अपना निवास बनाते हैं या जहां जैन समुदाय के लोग पर्याप्त संख्या में रहने लगते हैं, वहां एक जैन मंदिर का निर्माण कर लेते हैं। कुल मिलाकर सीधी सी बात है कि वे धर्मस्थल के आसपास ही रहते हैं ताकि अपने कार्य स्थल पर जाने से पूर्व सुबह-सुबह प्रभु प्रार्थना का मौका भी मिल जाए।

> जिस मंदिर में वर्षों तक मंत्रोच्चारण हुए, धार्मिक अनुष्ठानों की ध्वनियां गुंजायमान हुईं और उन सब विधि विधानों की साक्षी रही प्रतिमाएं तथा अन्य वस्तुएं जब नीलामी के बाद किसी भी व्यक्ति के हाथों में जाएंगी तो उनकी उस पवित्रता का क्या होगा? लोगों का मानना है कि मंदिर ट्रस्ट को अपने निर्णय पर पुनः विचार करना चाहिए और कुछ समय के लिए नीलामी टाल देनी चाहिए, ताकि श्रद्धालुगण अपनी राय ट्रस्ट तक पहुंचा सकें।

चिकपेट जैन मंदिर तो अत्यन्त प्राचीन धार्मिक स्थल है और इससे जैन समुदाय भावनात्मक रूप से गहराई से जुड़ा है। अब इस मंदिर को नया रूप दिया जा रहा है। काफी समय से यहां निर्माण कार्य चल रहा है। लगभग एक शताब्दी पूर्व निर्मित मंदिर में हालांकि समय के साथ साथ नए भवन बनते चले गए एवं जरूरत के मुताबिक निर्माण कार्य होते रहे परन्तु बाद में यह भी महसूस किया गया कि मंदिर का भव्य निर्माण नए सिरे से,ज्यादा व्यवस्थित ढंग से किया जाए और इसी निर्णय के तहत एक अरसे से यहां निर्माण कार्य चल रहा है।

अब जानकारी मिली है कि आगामी 10 मार्च को मंदिर से संबंधित अनेक बेशकीमती वस्तुएं, जिनका उपयोग भविष्य में फिर से नहीं हो पाएगा, उनकी नीलामी की जाने वाली है। इससे जो धन प्राप्त होगा वह मंदिर ट्रस्ट को जाएगा, जिसका उपयोग मंदिर के नवीनीकरण में हो सकेगा। नीलामी के लिए प्रख्यात फर्म बिड एन्ड हैमर को काम भी सौंप दिया गया है।

जो सामान बिक्री के लिए रखा जाएगा उसमें मार्बल के खंभे, रजत अच्छादित लकड़ी के दरवाजे, शिल्पकला के अन्य कई बेजोड़ नमूने, भगवान पार्श्वनाथ की एक प्रतिमा शामिल है। इनमें हस्त शिल्प से निर्मित लकड़ी के दरवाजे एवं छत तथा बहुत सी दूसरी बेशकीमती चीजें हैं जिनकी नीलामी 10 मार्च को होनी है जिससे काफी बड़ी राशि मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

जैन समाज का ही एक बड़ा वर्ग यह सोचता है कि ऐसी अमूल्य वस्तुओं की नीलामी करने के बजाय एक संग्रहालय स्थापित कर उसमें इन दुर्लभ वस्तुओं को रखा जाए और पर्यटकों, धर्मप्रेमियों, जिज्ञासुओं को इन्हें देखने, इनके बारे में जानने का मौका मिले तो शायद ज्यादा अच्छा हो। जैन समाज के अनेक बुद्धिजीवियों का कहना है कि जैन समाज के लोग तथा धार्मिक संगठन तो जैन धर्म से संबंधित दुर्लभ वस्तुएं जहां भी मिलें, जितनी भी महंगी मिलें खरीदकर संजोने में विश्वास रखते हैं फिर बेंगलूर का चिकपेट मंदिर ट्रस्ट तो एक समृद्ध संगठन है जिसके पास धन की कोई कमी नहीं है, इसलिए इन दुर्लभ वस्तुओं की बिक्री से निर्माण कार्य में सहयोग को जोड़ना उपयुक्त नहीं लगता है। बेंगलूर के कई युवा बुद्धिजीवी, डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउन्टेंट्स ऑडिटर्स, शिक्षाविद, समाजसेवी यह मानते हैं कि मंदिर निर्माण में धन की जितनी भी जरूरत पड़ेगी, अवश्य ही यह समृद्ध समाज उसे पूरी करेगा परन्तु जल्दबाजी में मंदिर से जुड़ी दुर्लभ वस्तुओं की बिक्री करने के निर्णय पर ट्रस्ट को पुनः विचार करना चाहिए। यह वर्ग मानता है कि पूरे समाज में इस विषय को कुछ समय के लिए चिंतन हेतु छोड़ देना चाहिए और समाज के लोगों से राय जुटानी चाहिए। क्योंकि यह श्रद्धा और आस्था से जुड़ा विषय है इसलिए अगर सामान की बिक्री करना बाध्यता नहीं हो तो इस पर पुनः विचार करना चाहिए।

श्रद्धालुओं का यह भी मानना है कि ब्रह्मांड में शब्दों, मंत्रों का असर कभी भी समाप्त नहीं होता यह विज्ञान से साबित हो चुका है। एक शब्द का हम उच्चारण करते हैं तो वह वायु मंडल में विद्यमान रहता है। जिस मंदिर में वर्षों तक मंत्रोच्चारण हुए, धार्मिक अनुष्ठानों की ध्वनियां गुंजायमान हुईं और उन सब विधि विधानों की साक्षी रही प्रतिमाएं तथा अन्य वस्तुएं जब नीलामी के बाद किसी भी व्यक्ति के हाथों में जाएंगी तो उनकी उस पवित्रता का क्या होगा? कोई खरीददार कला का पारखी हो सकता है अच्छी राशि भी दे सकता है परन्तु उन वस्तुओं को उपयुक्त श्रद्धा-सम्मान देगा, इसकी क्या गारंटी है? अनेक धर्मानुयायियों का मानना है कि हमें इन वस्तुओं की बिक्री के पहले ऐसे सभी पहलुओं पर भी गौर करना चाहिए।

जो समाज करोड़ों रुपए खर्च कर जगह जगह मंदिरों का निर्माण कर रहा है उसके एक अति प्राचीन मंदिर से निकली अति विशिष्ट वस्तुओं की बिक्री से कुछ लाख रुपए नहीं भी मिलेंगे तो क्या फर्क पड़ जाएगा? लोगों का मानना है कि मंदिर ट्रस्ट को अपने निर्णय पर पुनः विचार करना चाहिए और कुछ समय के लिए नीलामी टाल देनी चाहिए, ताकि श्रद्धालुगण अपनी राय ट्रस्ट तक पहुंचा सकें।

कर्नाटक की वित्तीय स्थिति किसी भी पड़ोसी राज्य से बेहतर

कार्यालय संवाददाता

बेंगलूर। यदि कर्नाटक के पड़ोसी राज्यों के साथ कर्नाटक की वित्तीय स्थिति की तुलना की जाए तो बेशक कर्नाटक सभी पड़ोसियों से बेहतर स्थिति में पाया जाएगा। मुख्यमंत्री बीएस येड्डीयुरप्पा ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा के पटल पर वित्त वर्ष 2010-11 का बजट प्रस्ताव रखते हुए कहा कि कर्नाटक में वित्तीय प्रबंधन की स्थिति इसके किसी भी पड़ोसी राज्य की बनिस्पत बेहतर है। यहां के वित्तीय मामलों की नींव ठोस जमीन पर रखी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 10 फीसदी से अधिक हिस्सा कर राजस्व से आता है जो देश के किसी भी अन्य राज्य से कहीं अधिक है। इस मामले में राष्ट्रीय औसत 6 फीसदी से भी कम है। इसे कर्नाटक सरकार के कुशल वित्तीय प्रबंधन का संकेत माना जा सकता है।

उन्होंने वित्त वर्ष 2004-05 से 2007-08 तक राज्य की वित्तीय स्थिति का चित्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि कर्नाटक ही एकमात्र ऐसा राज्य है जो वित्तीय घाटे को राज्य सकल घरेलू उत्पाद के तीन प्रतिशत तक सीमित रखने में लगातार सफल हुआ है। यह प्रतिशतता वित्तीय उत्तरदायित्व कानून के तहत तय की गई है। यही कारण है कि भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने खुद भी राज्य में वित्तीय प्रबंधन की संस्कृति को देश में सर्वोत्तम करार दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार के सुझाव पर वित्त वर्ष 2008-09 के बजट में वित्तीय घाटे को राज्य सकल घरेलू उत्पाद का 3.5 प्रतिशत किया गया था जबकि वित्त वर्ष 2009-10 के बजट में यह आंकड़ा 4 प्रतिशत कर दिया गया। राज्य सरकार इन दोनों वर्षों में बेहतरीन वित्तीय कौशल दिखाते हुए वित्तीय घाटे को इसी सीमा में रखने में सफल रही।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2008-09 के राज्य बजट में वित्तीय घाटा राज्य सकल घरेलू उत्पाद का 3.23 प्रतिशत (8732 करोड़ रुपए) रहने का अनुमान था। यह घाटा वित्त वर्ष 2009-10 में राज्य सकल घरेलू उत्पाद का 3.77 प्रतिशत (11 हजार 266 करोड़ रुपए) रह सकता है। इन आंकड़ों के मद्देनजर कोई भी इस बात से इन्कार नहीं कर सकता है कि कर्नाटक सरकार ने वित्तीय मामलों के प्रबंधन में शानदार सफलता हासिल की है। यह साल-दर-साल अपने राजस्व व्यय तथा राजस्व प्राप्तियों के बीच बेहतरीन सामंजस्य बनाकर चलने में सफल रही है।

टोल फ्री कॉल पर कटेगा माल !

बेंगलूर। आपके मोबाइल फोन कनेक्शन में जरा सी दिक्कत आई तो आप क्या करते हैं? झट से ऑपरेटर कंपनी का टोल फ्री नंबर मिला देते हैं लेकिन अब यह आपको महंगा पड़ सकता है क्योंकि कंपनियों ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के सामने एक प्रस्ताव रखा है, जिसमें शिकायत के अलावा की गई कॉल का भुगतान ग्राहक को करना होगा। ट्राई के अध्यक्ष डॉ. जेएस सरमा ने यहां पत्रकारों को बताया, 'उन्होंने हमसे इस बारे में बात की है और हम इस पर विचार कर रहे हैं। अभी हमें कुछ ब्यौरे हासिल करने तथा उनका विश्लेषण करने की जरूरत है। कुछ कंपनियों ने ब्यौरे भेज दिए हैं और बाकी को अभी भेजने हैं।' उधर, सूत्रों के मुताबिक शीर्ष कंपनियां तो इस बारे में प्रस्ताव भी ट्राई के सामने पेश कर चुकी हैं। फिलहाल ट्राई के एक नियम के मुताबिक सेवा बंद करने, बिल नहीं पहुंचने, गलत बिल पहुंचने जैसी शिकायतों के बारे में कॉल किए जाने पर कंपनियां ग्राहक से पैसा नहीं वसूल सकतीं। इन शिकायतों के लिए पैसे नहीं वसूले जाएंगे, लेकिन कॉलर ट्यून, जीपीआरएस, न्यूज अलर्ट आदि मूल्य वर्द्धित सेवाओं के बारे में जानकारी लेने पर ग्राहकों को रकम देनी पड़ सकती है।

सूत्रों के मुताबिक ट्राई को पहली नजर में दूरसंचार कंपनियों का तर्क सही लग रहा है। उद्योग जगत भी इससे सहमत है लेकिन उसके संगठन सभी ऑपरेटरों के लिए एक ही टोल फ्री नंबर की भी मांग कर रहे हैं। एक संगठन के सूत्र ने कहा, 'हमारा प्रस्ताव यह है कि सभी ऑपरेटरों के लिए एक ही टोल फ्री नंबर हो। यह काम भी दूरसंचार विभाग को ही करना होगा।'

एनएमडीसी 17 हजार करोड़ के इस्पात कारखाने लगाएगी

बेंगलूर। देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क कंपनी राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड (एनएमडीसी) इस्पात संयंत्रों की स्थापना के लिए 17 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगी। एनएमडीसी के संयुक्त महाप्रबंधक (व्यावसायिक) सी हनुमंत राव ने यहां शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, 'हम बड़े स्तर पर इस्पात और बिजली उत्पादन क्षेत्र में प्रवेश करने पर विचार कर रहे हैं और देश में इस्पात संयंत्रों की स्थापना पर 17 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेंगे।'

10 मार्च को खुल रही एनएमडीसी की दूसरी पेशकश की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा, 'हमने अगले तीन वर्षों में मध्य प्रदेश के नागरनाथ और कर्नाटक में दो इस्पात संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है जिनकी उत्पादन क्षमता 30-30 लाख टन होगी।' राव ने कहा कि एनएमडीसी लिमिटेड ने डोनिमले (कर्नाटक) और छत्तीसगढ़ में पेलेट संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि इस नवरत्न कंपनी के पास एक जनवरी 2010 तक 121. 27 करोड़ टन का ज्ञात लौह अयस्क भंडार है और वर्ष 2015 तक वह उत्पादन क्षमता तीन करोड़ टन से बढ़ाकर पांच करोड़ टन कर देगी। एनएमडीसी तीन नई खानों के विकास पर विचार कर रही है जिनमें से एक कर्नाटक में हैं।

जय भिक्षु ॐ अर्हम जय महाप्रज्ञ

श्री जैन श्वे. तेरापंथ महिला मंडल, बेंगलूर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

के उपलक्ष में आयोजित

अस्मिता काव्य गोष्ठी

विषय : नारी अस्तित्व को चुनौती देती कन्याओं की घटती संख्या
दिनांक : 8 मार्च 2010 सोमवार सायं 5.30 बजे से
स्थल : भारती विद्या भवन(एसी) रेसकोर्स रोड(चालुक्या होटल के पास)
अध्यक्षता : श्री श्री कांतजी पाराशर, सम्पादक, दक्षिण भारत
मुख्य अतिथि : श्रीमती वीणा बैद, महामंत्री,अ.भा.ते.म.मं.
विशेष अतिथि : श्री महेन्द्रजी मुणोत – मारुति मेडिकल
विशेष अतिथि : श्री सोहनलालजी लोढ़ा, दिवेर, 'श्रेष्ठ अध्यापक'
आमंत्रित कविगण : डॉ आदित्य शुक्ल(बेंगलूर), श्री दिनेश बावरा (मुम्बई), श्री नजीर नुसरत (बेंगलूर), दुर्गादत्त पांडेय (हैदराबाद), श्री हरिकृष्ण परेशान(बेंगलूर), श्री प्रेमचन्द कोठारी (बेंगलूर)

- लक्की विजेता को आकर्षक उपहार एवं 5 अन्य पुरस्कार
- कार्यक्रम स्थल पर अल्पाहार की व्यवस्था रखी गई है।

दिनांक : 10.3.2010 : 'भाषण प्रतियोगिता' आदर्श कालेज में प्रात: 10.15
विषय : बदलते परिवेश में धुंधली पड़ती नारी की मौलिक पहचान
दिनांक : 13.3.2010 : 'प्रबुद्ध महिला सेमिनार' तेरापंथ भवन, गांधीनगर में
विषय : कैसे हो अस्मिता के साथ ऊँची उड़ान (दोपहर 1.30 बजे)

अध्यक्ष कान्ता लोढा 9902630872
पास प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें संयोजिका : शांति सकलेचा : 9844060700 उप संयोजिका : संतोष सोलंकी : 9743517707
मंत्री पुष्पा गन्ना 9686366250

हार्दिक भावभरा आमंत्रण

श्री ढंढार जैन प्रवासी संघ, बेंगलूर

चतुर्थ स्नेह मिलन

रविवार, दि. 7.3.2010 स्थल : रेसीडेन्सी रिसोर्ट

स्नेह मिलन के लाभार्थी

संघवी शा रिकबचन्दजी, जुगराजजी, अमरचन्दजी, नेमीचन्दजी, भंवरलालजी, कांतिलालजी, हीराचन्दजी, देवीचन्दजी, आनंदकुमारजी, महावीरकुमारजी, जितेन्द्र, संजय, रितेश, प्रदीप, मुकेश, अमित, बंटी, अंकुश, ध्रुव, जैनम्, वैभव बेटा पोता शा पारसमलजी सरेमलजी वेदमुथा परिवार, रेवतड़ा (राज.)

हीरा ट्रेडिंग कॉरपोरेशन प्रतिष्ठान पारस होजरी

नोट : 1. एकासना बियासना की व्यवस्था समारोह स्थल पर की गई है।
2. बसों की व्यवस्था प्रात: 7 बजे से 8 बजे तक गांधीनगर एवं शारदा टॉकीज नगरथपेट से रखी गई है। (समय का ध्यान रखें।)
3.स्वीमिंग एवं रेन डॉस के 12 वर्ष तक के इच्छुक बद्ध संबंधी वस्त्र साथ में लाएं।

विशेष अनुरोध : किसी महानुभाव को किसी त्रुटि संश आमंण पत्रिका नहीं मिली हो तो इसे ही आमंत्रण समझकर स्नेह मिलन कार्यक्रम में अवश्य पधारें।

आयोजक: श्री ढंढार जैन युवा मंच

Bangalore, Mob : 98442 20992, Website : www.sdjym.com, Email : support @ sdjym.com

।।श्री चन्द्रप्रभु स्वामी ने नमः।। ।।युगादिदेव श्री आदिनाथाय नमः।। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथाय नमः।।
प.पु आत्म-कमल-लब्धि-विक्रम स्थुलभद्रसूरीश्वरजी सद्गुरुभ्यो नमः
प.पु.श्री आत्म-कमल-दान-प्रेम-यशोदेव भुवनभानु-जयघोषसूरी सद्गुरुभ्यो नमः

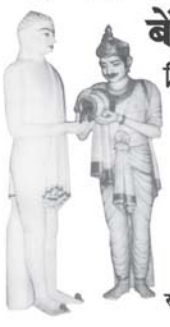

बेंगलोर नगर के ओकलीपुरम के पावन प्रांगण में

द्वितिय सामुहिक वर्षीतप की भव्यतम आराधना के शुभारंभ पर

सामुहिक पच्चक्खाण क्रिया प्रसंगे

सकल संघ को भावभरा हार्दिक आमंत्रण

पच्चक्खाण प्रदाता एवं पावन निश्रा

परम पुज्य आचार्यदेव श्रीमद् विजय भुवनभानुसूरीश्वरजी म.सा.के समुदाय के प.पु.पन्यास प्रवर श्री शिवानंदविजयजी म.सा.आदि ठाणा

सहर्ष विदित करते हुए अत्यानंद हो रहा है की हमारे ओकलीपुरम के पवित्र प्रांगण में प.पू.आ.दे. श्री स्थुलभद्रसूरीश्वरजी म.सा. के दिव्याशिष से एवं प.पू.आ.दे. श्री चन्द्रयशसूरीश्वरजी म.सा.के शुभाशीर्वाद से बेंगलोर के समस्त आराधक वर्ग को द्वितिय सामूहिक वर्षीतप की भव्यतम आराधना कराने का आयोजन किया गया है।

इस महान तपश्चर्या के शुभारंभ में समस्त आराधकों को सामुहिक पच्चक्खाण प्रदान करने हेतु हमारी आग्रहभरी विनंति को स्वीकार करके प.पु.आचार्य देव श्रीमद् विजय भुवनभानुसूरीश्वरजी म.सा.के समुदाय के प.पु.पन्यास प्रवर श्री शिवानंदविजयजी म.सा. आदि ठाणा हमारे यहा पधार रहे है। अतः पूज्यश्री की पावन निश्रा में समस्त आराधको को सामूहिक क्रिया करायी जायेंगी

आराधको को सुबह का बियासना ओकलीपुरम मंदिरजी में कराया जायेंगा । अतः इस सामूहिक पच्चक्खाण शुभ प्रसंग पर आयोजित निम्न कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में आराधक के साथ आप सपरिवारपधारकर शासन शोभा में अभिवृद्धि करते हुए हमारे उत्साह को बढावें।

-: मंगल कार्यक्रम :-

शुभ दिन : चैत्र वदि ८, सोमवार दि. 8-3-2010, प्रातः 10-00 से
श्री आराधना होल में संगीत सुरावली के साथ
प.पु.पंन्यास प्रवर श्री शिवानंदविजयजी म.सा की
पावन निश्रा में सामूहिक पच्चक्खाण एवं क्रिया ।

श्री अश्विन गुरुजी एवं मुकेश गुरुजी द्वारा विधि-विधान एवं संगीतमय भक्ति कार्यक्रम

निवेदक

श्री चन्द्रप्रभु लब्धि दादावाडी स्थुलभद्रसूरीश्वरजी पुण्य प्रभावक केन्द्र ट्रस्ट एवं वर्षीतप पारणा समिति

१०१/१ पहला मैन, पाचवा क्रोस, ओकलीपुरम
पेट्रोल पंप के सामने, ओकलीपुरम बेंगलोर-२१ फोन: ६५७०२८७७

भारतवर्ष का प्रथम रत्नजड़ीत सुवर्ण मंदिर

।।श्री पंचपरमेष्ठी नमः।। ।। कुलदेवी श्री भुवाल माताय नमः ।। ।।श्री वीतरागाय नमः।।

छाजेड़ परिवार मण्डल-कर्नाटक, बेंगलूरु

चतुर्थ स्नेह मिलन समारोह

रविवार, दिनांक 7.3.2010

शुभ स्थल : श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ धरणेन्द्र पद्मावती तीर्थधाम, रामनगर - बेंगलूरु

सभी छाजेड़ बन्धु सपरिवार सादर आमंत्रित हैं.

सान्निध्य : संत सौ. सुशीलाबाई छाजेड़ (पूना)
छाजेड़ कुलदेवी उपासिका

अध्यक्षता : भाई श्री सुमेरमलजी छाजेड़ (जोधपुर)
कार्यकारी अध्यक्ष - अखिल भारतीय छाजेड़ परिवार मण्डल, बिरामी

-: विशेष अतिथि :-

भाई श्री अमृतलालजी जैन छाजेड़ महामंत्री, अ.भा.छा.प.मं.,बिरामी
भाई श्री मोहनलालजी छाजेड़ उपाध्यक्ष, अ.भा.छा.प.मं.,बिरामी
भाई श्री बी. एल. छाजेड़ उपाध्यक्ष, अ.भा.छा.प.मं.,बिरामी
भाई श्री एस. बाबुलाल छाजेड़ उप-चेयरमेन, छाजेड़ प.मं.,चेन्नई
भाई श्री राजकुमार छाजेड़ महामंत्री, छाजेड़ प. मण्डल,चेन्नई

स्नेह मिलन स्थल हेतु निम्न स्थानों से बसें ठीक 7.00 बजे रवाना हो जाएंगी :-

5 बसें : गाँधीनगर पेट्रोल पम्प से
2 बसें : गणेश बाग से (भगवान महावीर मार्ग)
2 बसें : मराठा हॉस्टल से (बुल टेम्पल रोड)
2 बसें : राजाजीनगर राम मन्दिर से

अल्पाहार : प्रात: 8.30 बजे से
स्नेह मिलन : प्रात: 10.00 बजे
माताजी की आरती : प्रात: 11.05 बजे
स्वरुचि भोज : अपराह्न 1.00 बजे
खेलकूद प्रतियोगिता : अपराह्न 3.00 बजे
स्नात्र पूजा : अपराह्न 3.00 बजे
अल्पाहार : सायं 4.30 बजे

निवेदक : छाजेड़ परिवार मण्डल-कर्नाटक, बेंगलूरु

चेयरमेन वीरचन्द वी. छाजेड़ 99801 14979
अध्यक्ष वी. मांगीलाल छाजेड़ 94484 85462
कार्यकारी अध्यक्ष मेहता खीमराज जे. छाजेड़ 93412 19219
महामंत्री पी. सी. छाजेड़ 99641 84626
कोषाध्यक्ष मेहता बाबुलाल जे. छाजेड़ 93412 41742
सम्पर्क सूत्र नरेन्द्रकुमार छाजेड़ 98803 24447

समारोह व्यवस्था सहयोगी : छाजेड़ युवा मण्डल, बेंगलूरु

आमंत्रण पत्रिका सभी छाजेड़ परिवारों को प्रेषित की गई है. यदि किसी को प्राप्त नहीं हुई हो तो इस विज्ञापन को प्रत्यक्ष आमंत्रण का मान देकर अवश्य ही पधारें.

Sheetal Agencies